हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 93 | जौनपुर, शुक्रवार 29 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

पीएम मोदी के अयोध्या आगमन से धर्मनगरी में होगा विकास के नए युग का सूत्रपात : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के धर्मनगरी अयोध्या आगमन को अविस्मरणीय समारोह बनाने के लिए सभी प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री सूर्य प्रताप शाही व दयाशंकर सिंह तथा महापौर अयोध्या सहित स्थानीय प्रशासन के साथ वर्चुअल बैठक कर मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। वर्ष 2023 की विदा वेला पर धर्मनगरी अयोध्या में प्रधानमंत्री का आगमन अयोध्या में 'विकास के नए युग' के प्रारंभ करने वाली होगी। इस अवसर पर देश को न केवल एक नए अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उपहार मिलने जा रहा है, बल्कि अयोध्या को हजारों करोड़ की परियोजनाओं के उपहार भी

मिलेगा। प्रधानमंत्री के रोड शो के लिए तय रूट पर सुरक्षा और साफ–सफाई की अच्छी व्यवस्था हो। पूरी अयोध्या राममय हो। स्थानीय मठ–मंदिरों को सजाएं। भव्य तोरण द्वार तैयार कराएं। जगह–जगह सांस्कृतिक मंडलियों द्वारा रुचिकर प्रस्तुतियां हों। प्रधानमंत्री के स्वागत हेतु अयोध्यावासी भी उत्सुक हैं। उन्हें यथोचित स्थान दें। साधु–संतगणों द्वारा पुष्पवर्षा कर प्रधानमंत्री का अभिनन्दन किया जाना है। उनसे संवाद बनाएं। यह रोड शो जनता के लिए है, ऐसे में जनभावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री का यह अयोध्या दौरा अयोध्या को हजारों करोड़ की परियोजनाओं का उपहार देने वाला होगा। यह आयोजन अति महत्वपूर्ण है, इसके दृष्टिगत भारत सरकार के सहयोग से स्थानीय प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं।विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री जनसभा को भी संबोधित करेंगे। जनसभा में आसपास के जनपदों से डेढ़ से 2 लाख आम नागरिकों के आने की संभावना के दृष्टिगत सभी तैयारियां और अयोध्या को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गो पर पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था एवं जनसभा में आने वाले नागरिकों की आधारभूत सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। भीड़ प्रबंधन पर फोकस करें। जनसभा स्थल एवं अन्य प्रमुख स्थलों पर वाहनों की पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था हो और उन पार्किंगों के पास पर्याप्त जन सुविधाओं की भी व्यवस्था की जाए। चिकित्सकों की तैनाती करें। यह समारोह बड़ा है। बड़ी संख्या में जनभागीदारी होगी। इसलिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध होने चाहिए। एरियल सर्विलांस भी हो। वर्दीधारी सुरक्षाकर्मियों। के अलावा सादी वर्दी में भी पुलिस की तैनाती की जाए। प्रधानमंत्री के सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से अनुपालन करायें। निकटवर्ती जिलों के प्रशासन से संवाद कर यातायात प्रबंधन की रणनीति लागू करें। लखनऊ–गोरखपुर मार्ग पर कहीं जाम न लगे। डायवर्जन के बारे में समय से प्रचार–प्रसार करें। प्रधानमंत्री के रोड शो के रूट को आकर्षक ढंग से सजाएं। रूट में पड़ने वाली दुकान,व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुली रहें। व्यवसायियों को अपने प्रतिष्ठान की साज सज्जा के लिए प्रोत्साहित करें। एयरपोर्ट से रेलवे स्टेशन के पूरे क्षेत्र में हमें स्वच्छता का विशेष ध्यान देना होगा। अयोध्या में कहीं भी सड़कों पर धूल तथा गन्दगी आदि न हो। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त मैनपॉवर भी तैनात करें।

संसद सुरक्षा सेंधः नीलम आजाद को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका, याचिका पर तत्काल सुनवाई से किया इनकार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने संसद की सुरक्षा में सेंध मामले में गिरफ्तार नीलम आजाद की याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। नीलम ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि उसकी पुलिस हिरासत अवैध है और उसे उसकी पंसद के वकील से विचार–विमर्श करने की अनुमति नहीं दी जा रही है जो अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान उसका पक्ष रख सके। आरोपी के वकील ने न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्ण एवं न्यायमूर्ति शैलिन्दर कौर की अवकाश पीठ के समक्ष मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। इस पर पीठ ने कहा कि मामले में जल्दबाजी की जरूरत नहीं है। पीठ ने कहा, ''इसे तीन जनवरी को लिया जाएगा। कोई ऐसी आवश्यकता नहीं है। आजाद के वकील ने कहा कि उनकी मुवक्किल ने हिरासत के आदेश को चुनौती दी है और उसकी पुलिस हिरासत की अवधि पांच जनवरी को समाप्त हो रही है। अदालत ने इस अनुरोध को अस्वीकार करते हुए कहा कि हिरासत की अवधि समाप्त होने से पहले सुनवाई के लिए अब भी 'पर्याप्त वक्त है। आरोपी ने अपनी याचिका में उसे उच्च न्यायालय के समक्ष पेश करने का निर्देश देने वाली बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट और साथ ही उसे स्वतंत्र करने का आदेश देने का अनुरोध किया है। आरोपी ने कहा कि उसकी पसंद के वकील से परामर्श करने की अनुमति न देना संविधान प्रदत्त उसके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है और इस प्रकार से उसकी हिरासत का आदेश अवैध है। भारतीय कानून के तहत एक बंदी या उसकी ओर से कोई व्यक्ति पेशी के लिए उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर सकता है यदि उन्हें लगता है कि किसी को अवैध रूप से हिरासत में लिया गया है। यदि संबंधित अदालत पेशी पर इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि हिरासत अवैध है तो वह उसकी रिहाई का आदेश दे सकती है। संसद पर 2001 में हुए आतंकवादी हमले की बरसी के दिन गत 13 दिसंबर को सुरक्षा में चूक की बड़ी घटना उस वक्त सामने आई थी जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से सागर शर्मा और मनोरंजन डी सदन के भीतर कूद गए और नारेबाजी करते हुए 'कैन के जरिये पीले रंग का धुआं फैला दिया था। घटना के तत्काल बाद दोनों को पकड़ लिया गया था। इस घटना के कुछ देर बाद ही पीले और लाल रंग का धुआं छोड़ने वाली 'कैन लेकर संसद भवन के बाहर प्रदर्शन करने वाले दो अन्य लोगों– अमोल शिंदे और नीलम देवी को गिरफ्तार कर लिया गया था। इन लोगों ने 'तानाशाही नहीं चलेगी और कुछ अन्य नारे लगाये थे।

हरिश्चंद्र वंशीय समाज की सम्मानित की गई विभूतियां

एजेन्सी

लखनऊ। हरिश्चन्द्र वंशीय समाज के तत्वावधान में बृहस्पतिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में विविध कार्यक्रमों के साथ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न हो गया। इसमें हरिश्चन्द्र वंशीय समाज की विभूतियों को सम्मानित किया गया। दूसरे दिन सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में महाराज हरिश्चंद्र की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध रंगकर्मी व अभिनेता डॉ अनिल रस्तोगी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, समाज उसी को याद करता है, जिसने समाज उत्थान के कार्य किया हो। सम्मान समारोह में लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज के अध्यक्ष राजन रस्तोगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव रस्तोगी, उपाध्यक्ष परमेश और बृजेश रस्तोगी ने विभूतियों को सम्मानित किया। जिनमे उद्योगपति श्रीमती इंदिरा मोहन रस्तोगी, कोलकाता के समाजसेवी प्रदीप रस्तोगी, विश्व में सर्वाधिक संस्करणों मे पत्र प्रकाशित होने लिये हरिश्चन्द्र वंशीय समाज के श्री धर्मेन्द्र नाथ रस्तोगी साहित्य कार को सम्मानित किया गया। पूर्व स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ स्वतंत्र रस्तोगी, पर्वतारोही शिवम रस्तोगी, उद्योगपति प्रेम किशोर रस्तोगी, सतरंज चौंपियन प्रणव, कानपुर के उद्योगपति महेश रस्तोगी, समाजसेवी कैलाश नाथ रस्तोगी, साहित्यकार पूनम माटिया आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा नीति पर आयोजित गोष्ठी में डा विदुषी रस्तोगी, दिव्यांशी, आई डी रस्तोगी, डा इन्द्र मोहन रोहतगी, डा अरिदम एवं डा मनोज कुमार रस्तोगी के पैनेल ने विचार विमर्श किया। संयोजन असीम जी ने किया। समाज के संरक्षक हरि जीवन रस्तोगी ने बताया कि, सम्मेलन के दौरान लखनऊ की भावी योजना मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वृद्धा आश्रम, श्री नाथ जी का मन्दिर आदि योजनाओं को जल्द ही साकार रूप देने पर सहमति बनी है। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

एजेन्सी

वाराणसी। गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। उसका शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना रोहनिया थाना क्षेत्र के गोविंदपुर कॉलोनी की है।

बगहा के मिर्जापुर निवासी आलोक शुक्ला अपनी पत्नी प्रतिमा शुक्ला के साथ 10 वर्षों से रोहनिया में गोविंदपुर कॉलोनी में रहकर लहरतारा स्थित निजी विद्यालय में शिक्षक का कार्य करते हैं। शाम को मकान में दर्जनों बच्चों को पति–पत्नी ट्यूशन भी पढ़ाया करते थे। 27 दिसंबर की रात्रि खाना–पीना खाकर दोनों अपने–अपने कमरे में सोने चले गए। जब सुबह देर तक दरवाजा नहीं खुला तो आलोक ने दरवाजा तोड़कर देखा तो उसके होश उड़ गए। उसने देखा कि उसकी पत्नी अपने ही दुपट्टे से फंदे के सहारे लटकी हुई थी।

नए साल पर विश्वनाथ धाम आएंगे 6 लाख श्रद्धालु

एजेन्सी

वाराणसी। न्यू ईयर पर महादेव की नगरी काशी में काफी धूम होगी। नए साल पर काशी के कारोबारियों को काफी बूम मिलने वाला है। 1 जनवरी को बाबा विश्वनाथ धाम में 6–7 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। वहीं, जो श्रद्धालु मंदिर तक नहीं आ पाएंगे, उनके लिए मंदिर प्रशासन ने नई व्यवस्था शुरू कर दी है। 1 जनवरी से बाबा विश्वनाथ का ऑनलाइन रुद्राभिषेक भी शुरू हो रहा है। 700 रुपए में एक परिवार बाबा विश्वनाथ का घर बैठे रुद्राभिषेक करा सकता है।न्यू ईयर के पहले ही वाराणसी में बढ़ती भीड़ और गंगा किनारे गंगा आरती में जुटने वाले श्रद्धालुओं को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि नए साल पर कितनी ज्यादा भीड़ आने वाली है। वाराणसी के होटल, बोट्स, क्रूज सभी कुछ 2 जनवरी तक पूरी तरह से बुक्ड हैं। यहां पर अब कोई नई बुकिंग नहीं हो रही है। लग्जरी होटल में वन नाइट चार्ज 1 लाख रुपए से ऊपर तक चला गया है। नए साल पर देव दीपावली जैसा ही हाल होने वाला है। अलकनंदा क्रूजलाइन के चारों क्रूज और बाकी विश्वनाथम के साथ ही जलपरी भी सैलानियों के लिए बुक्ड है। बिना प्लान के वाराणसी आने का मतलब है भटकना। बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने में भले ही मशक्कत करनी पड़ सकती है।अलकनंदा क्रूज के संचालक विकास मालवीय के अनुसार, आज से लेकर 2 जनवरी तक क्रूज हाउसफुल है। वहीं, 5 जनवरी तक 90: टिकट बुक हैं। आज से लेकर नए साल तक अलकनंदा, भागीरथी, विवेकानंदा और सैम मानेक शॉ, सभी के टिकट ऑनलाइन ही सोल्ड आउट हो चुके हैं।

वकालत का लाइसेंस देने से पहले आवेदक का पुलिस सत्यापन सुनिश्चित करें : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

एजेन्सी

प्रयागराज। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अधिवक्ताओं के वकालत करने पर चिंता व्यक्त करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि ऐसे लोग समाज को, विशेषकर कानून बिरादरी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। पवन कुमार दूबे नाम के एक व्यक्ति द्वारा दायर रिट याचिका निस्तारित करते हुए न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार और उत्तर प्रदेश राज्य विधिज्ञ परिषद को तत्काल प्रभाव से आवश्यक निर्देश जारी कर लाइसेंस के सभी लंबित और नए आवेदनों के संबंध में संबंधित पुलिस थानों से उचित सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा। अदालत ने कहा, "इस तरह की जांच पड़ताल प्रक्रिया से यह सुनिश्चित होगा कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को लाइसेंस प्राप्त करने के मामले में विधिज्ञ परिषद को गुमराह करने से रोका जा सकता है क्योंकि ऐसा

व्यक्ति जानकारी छिपा सकता है। मौजूदा मामले में याचिकाकर्ता ने 14 आपराधिक मामलों के लंबित रहने के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना छिपाने के लिए एक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत की थी। इन 14 मामलों में से चार मामलों में उस व्यक्ति को दोषी करार दिया जा चुका है। यह सूचना छिपाकर व्यक्ति ने वकालत करने का लाइसेंस प्राप्त कर लिया।

अदालत ने 21 दिसंबर को दिए अपने आदेश में कहा, "यह हैरत में डालने वाली बात है कि जिस व्यक्ति के खिलाफ 14 आपराधिक मामले हैं जिनमें से चार में वह दोषी करार दिया जा चुका है, उसने वकालत का लाइसेंस प्राप्त किया। ऐसे व्यक्ति समाज को और विशेष रूप से कानून बिरादरी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अधिवक्ता अधिनियम ऐसे व्यक्तियों को वकालत के पेशे में आने से रोकता है।" अदालत ने कहा, "सही तथ्य जो भी हों, वर्तमान में यह शिकायत राज्य विधिज्ञ परिषद के पास 25 सितंबर, 2022 से लंबित प्रतीत होती है। काफी समय गुजर चुका है और अब तक उचित कार्रवाई हो जानी चाहिए थी।

दिल्ली और जयपुर समेत 7 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेन्सी

जयपुर। दिल्ली और जयपुर सहित आधा दर्जन से अधिक हवाईअड्डे और विमानों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले हैं। सूत्रों ने बताया कि बुधवार रात करीब 10रू23 बजे एक ईमेल आया जिसमें दावा किया गया कि दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़, मुंबई, चेन्नई और अहमदाबाद हवाईअड्डों पर बमबारी की जाएगी। जयपुर एयरपोर्ट पर आधिकारिक कस्टमर केयर आईडी पर धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सीआईएसएफ के अधिकारियों ने मोर्चा संभाला और स्थानीय पुलिस की मदद से एयरपोर्ट और वहां उतरने वाले विमानों की जांच, तलाशी और सैनिटाइजेशन शुरू कर दिया।

बंगाल में टीएमसी रोकेगी बीजेपी का रथ, ममता ने सीपीएम पर लगाए भाजपा से मिलीभगत के आरोप

एजेन्सी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि टीएमसी आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा के खिलाफ लड़ाई की अगुवाई करेगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा विपक्षी दलों के नेताओं पर चोर का ठप्पा लगा रही है। उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसी व्यवस्था बन गयी है जहां लोकतंत्र का संचालन केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है। ममता ने कहा'' माकपा, भाजपा और कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में गठबंधन बनाया है और सक्रिय रूप से हमारे खिलाफ प्रचार कर रहे हैं। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) राष्ट्रव्यापी स्तर पर भाजपा का मुकाबला करेगा जबकि पश्चिम बंगाल में भाजपा के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व टीएमसी करेगी। मुख्यमंत्री ने उत्तर 24 परगना जिले में बांग्लादेश मूल के लोगों की बड़ी आबादी तक पहुंच बनाने के उद्देश्य से भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए नागरिकता के मुद्दे में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''भाजपा नागरिकता के मुद्दे का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए कर रही है। भाजपा इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रही है। पहले, जिलाधिकारी नागरिकता से जुड़े मामलों का फैसला करते थे, लेकिन अब उनसे ये शक्तियां छीन ली गई हैं। यदि लोगों के पास नागरिकता नहीं होगी, तो वे सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ कैसे उठा पाएंगे? ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नागरिकता को लेकर दिए गए एक बयान के जवाब में यह टिप्पणी की है। अमित शाह ने मंगलवार को एक बयान में कहा था।

पार्टी स्थापना दिवस पर खड़गे ने कहा, कांग्रेस का मकसद है लोक कल्याण

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को 139वें स्थापना दिवस पर पार्टी मुख्यालय में पार्टी का झंडा फहराया और कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्देश्य लोक कल्याण है। स्थापना दिवस समारोह में राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, सांसद राजीव शुक्ला, महासचिव के.सी. वेणुगोपाल समेत कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे। खड़गे ने एक्स पर लिखा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्देश्य लोक कल्याण है और भारत के लोगों की प्रगति है। हम संसदीय लोकतंत्र पर आधारित भारत में विश्वास करते हैं जिसमें बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए समानता, अवसर और राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकार निहित हैं। उन्होंने आगे कहा, "हमें गर्व है कि पिछले 139 वर्षों से हम ऐसे भारत के निर्माण के लिए पूरी ईमानदारी से संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक भारतीय को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। जय हिंद, जय कांग्रेस।"पार्टी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए राहुल गांधी ने भी लिखा, सत्य और अहिंसा जिसकी बुनियाद है। मोहब्बत, भाईचारा, सम्मान और समानता जिसके स्तंभ हैं और देशप्रेम जिसकी छत है। मुझे फक्र है कि मैं ऐसे संगठन का हिस्सा हूं। कांग्रेस स्थापना दिवस की सभी नेतागणों, पदाधिकारियों, समर्थकों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। प्रियंका गांधी ने लिखा, "स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की गतिविधियों के संचालन के लिए शतिलक स्वराज कोष की शुरुआत की थी। इसका मकसद असहयोग आंदोलन के लिए पैसा जुटाना था ताकि स्वराज की स्थापना हो सके। उन्होंने कहा, आज करीब 100 साल बाद कांग्रेस ने डोनेट फॉर देश अभियान शुरू किया है ताकि लोकतंत्र को बचाया जा सके, चंद अरबपतियों के लिए काम करने वाली तानाशाही सरकार के खिलाफ एक मजबूत विपक्ष का गठन किया जा सके और संविधान को बचाया जा सके।

जेडीयू बैठक से पहले नीतीश कुमार ने बैठक को लेकर,कहा सामान्य बैठक है

एजेन्सी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को दिल्ली जाने वाले हैं। इस दौरे से पहले जदयू को लेकर हो रही तमाम चर्चाओं के बीच उन्होंने दिल्ली में होने वाली बैठक पर कहा कि यह सामान्य बैठक है, जो प्रत्येक साल होती है। पटना में नीतीश कुमार पत्रकारों से चर्चा करते हुए अध्यक्ष बनने और फिर से भाजपा के साथ जाने की चर्चा सहित पत्रकारों के सभी सवालों को टाल गए। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष बनने से इनकार किया और कहा कि दिल्ली यात्रा नियमित है। पार्टी बैठक को लेकर उन्होंने कहा ये सामान्य बैठक है, जो हर साल होती है। मीटिंग की परंपरा है। कुछ खास नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार की शाम दिल्ली में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और 29 दिसंबर को जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक है।

यूपी में कोहरे का कहरय बुलंदशहर में एक के बाद एक भिड़े दर्जनों वाहन, हादसे में कई लोग घायल

एजेन्सी

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में ठंड और कोहरे का कहर जारी है। पूरे प्रदेश में अब घने कोहरे के साथ कड़ाके की सर्दी पड़ने लग गई। जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है और वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। हादसों की भी संभावना बढ़ गई है। घने कोहरे के चलते सड़क पर कुछ दिखाई नहीं देता, इसी वजह से बुलंदशहर में एक भीषण हादसा हो गया। जहां पर करीब एक दर्जन वाहनों की आपस में भिड़त हो गई। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए। बता दें कि बुलंदशहर के गुलावठी के ग्राम छपरावट के निकट हाईवे कट पर गन्ने से भरी ट्रॉली से कई वाहन टकरा गए। करीब एक दर्जन वाहन कोहरे के कारण एक दूसरे से टकराया गए, जिसमें कई लोग घायल हो गए। इस हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख–पुकार मच गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया और करीब दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

पुलिस ने क्रेन की मदद से यातायात सुचारू हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों तक भी ऐसा ही मौसम रहेगा। लेकिन इसके बाद 30 दिसंबर से पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखेगा। जिसकी वजह से नए साल पर प्रदेश के कई जिलों में बारिश देखने को मिलेगी। यह बारिश मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, झांसी, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर में एक या दो जगहों पर हो सकती है।

सम्पादकीय

संसद के सवाल और विपक्ष का दायित्व

एनडीए सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम शीतकालीन सत्र कई सुलगते सवालों को छोड़ गया है। इन सवालों के जवाब अभी गंभीरता से नहीं तलाशे गए, तो फिर देश में लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं को उखड़ने से रोक पाना कठिन हो जाएगा। संसद पर हमला, 146 सांसदों के निलंबन के बाद अब ये तथ्य भी सामने आया है कि संसद में दोनों सदनों में विपक्ष के सांसदों द्वारा पूछे गए 264 सवालों को प्रश्नों की सूची से हटा दिया गया है। ये तमाम बातें भारत के संसदीय इतिहास में पहली बार ही हो रही हैं। 76 साल की आजादी और लोकतंत्र के दीर्घ अनुभव के बाद संसदीय कामकाज में परिपक्वता, धैर्य और संयम दिखाई देने चाहिए थे, लेकिन फिलहाल लग रहा है कि हमें संसदीय तकाजे का ककहरा फिर से सीखना पड़ेगा। गौरतलब है कि इस शीतकालीन सत्र में संसद पर एक और हमले की कोशिश की गई थी। एकबारगी यह हमला मौजूदा सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ दिखाई देता है। लेकिन अगर देश के एक तबके में भाजपा के शासन को लेकर इतनी अधिक नाराजगी व्याप्त है कि उसके लिए संसद पर हमले का दुस्साहस किया जाए, तो फिर यह नाराजगी चुनावी नतीजों में क्यों नहीं दिखाई देती। क्या संसद पर हमला करने वाले जानते नहीं थे कि इसका अंजाम क्या होने वाला है। क्या कानून की कड़ाई का अंदाज होने के बावजूद उन्होंने इस जोखिम को उठाया और अपना भविष्य, जीवन सब कुछ खतरे में डाला। कुछ लोगों का पूरे योजनाबद्ध तरीके से संसद के बाहर और भीतर आकर विरोध दिखाना किसी नजरिए से मामूली घटना नहीं है, लेकिन इस पर सरकार का रवैया देखकर यह लग ही नहीं रहा कि उसे किसी बात की चिंता हुई हो। क्या भाजपा अपने बहुमत को कवच इस कदर अभेद्य मानने लगी है कि उसे इस बात से भी फर्क नहीं पड़ रहा कि दो लोग संसद के भीतर आकर धुआं छोड़ गए। संसद पर हमले को लेकर भाजपा सरकार का रवैया जितना आश्चर्यजनक रहा, उससे कहीं अधिक आश्चर्य यह देखकर हुआ कि गृहमंत्री से सदन में जवाब की मांग कर रहे विपक्ष के 146 सांसदों को दो–तीन दिन के भीतर निलंबित कर दिया गया। सदन पर हुए हमले का जवाब अगर सदन में नहीं मांगा जाएगा, तो फिर उसके लिए कौन सी अन्य जगह उपयक्त है, यह भी भाजपा को बता देना चाहिए। लगभग डेढ़ सौ सांसदों का निलंबन काफी नहीं था कि संसद के दोनों सदनों की सूची से उन 264 सवालों को भी हटा दिया गया, जो विपक्षी सांसदों ने पूछे थे। सरकार से पूछा जाना चाहिए कि क्या इन सवालों से भी सदन की कार्रवाई में व्यवधान पड़ रहा था। उल्लेखनीय है कि सांसदों के निलंबन के बाद लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान सांसदों के नाम के तहत सूचीबद्ध किसी भी कार्य या उनके द्वारा पेश किए गए नोटिस पर विचार नहीं किया जाएगा। संसद के प्रश्नकाल और शून्यकाल सांसदों को प्रश्न पूछने और सरकार के खिलाफ विचार व्यक्त करने की अनुमति देते हैं। इससे पहले भी विभिन्न सत्रों में सांसदों के निलंबन होते रहे हैं, लेकिन ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि निलंबन के साथ ही सांसदों के सवाल उठाने के संवैधानिक अधिकार को भी खत्म कर दिया गया है। ऐसा नहीं है कि खारिज किए गए सभी 264 सवाल संसद की सुरक्षा के मसले से ही जुड़े थे, अगर जुड़े होते तब भी सरकार को इनका जवाब देना चाहिए था। लेकिन ये सवाल जनता के हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर आधारित थे। जैसे राजद सांसद मनोज झा ने शिक्षा मंत्रालय से दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों के श्बड़े पैमाने पर हटानेय संबंधी सवाल किए थे। माकपा के सांसद जॉन ब्रिटास ने समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन पर कानून मंत्रालय से जानकारी मांगी थी। मगर अब इनका जवाब देने से मौजूदा सरकार बच गई है। सांसदों के निलंबन की कार्रवाई तो बाद में हुई, लेकिन संसद के नियमानुसार ये सवाल लगभग दो सप्ताह पहले ही लिखित में दिए जा चुके थे। फिर इन्हें सूची से हटाना क्या न्यायोचित कहा जा सकता है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जंतर–मंतर पर किए गए प्रदर्शन के दौरान कहा था कि 146 सांसदों को निलंबित करके लगभग 60 प्रतिशत जनता की आवाज को खामोश कर दिया गया है। संसद की सूची से सवालों को हटाना इस आरोप की ही पुष्टि करता है। शीतकालीन सत्र में उठे इन सुलगते सवालों के जवाब तलाशना इसलिए जरूरी है क्योंकि दांव पर जनता और देश का हित जुड़ा है। अब प्रश्न ये है कि अगर कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका और इनका संगी बन चुका मीडिया भी अगर इन सवालों से मुंह मोड़ ले तो फिर विपक्ष को क्या करना चाहिए। क्या विपक्ष लोकतंत्र बचाने के लिए केवल जुबानी जमा–खर्च करता रहेगा या राहुल गांधी जैसे दो–चार लोगों पर सड़कों पर उतरने का जिम्मा छोड़ देगा। अगर विपक्ष सड़क पर आता भी है तो क्या वह जनता तक अपनी बात पहुंचाने की तैयारी कर चुका है, या अब भी वो इंतजार में बैठा है कि कोई और आकर उसके हिस्से के काम करेगा। कायदे से अब विपक्षी सांसदों को अपने–अपने संसदीय क्षेत्र जाकर जनता से जुड़ने का काम शुरु कर देना चाहिए। संसद के पटल से जिन सवालों को हटा दिया गया है, उन्हें जनता के बीच जाकर उठाना चाहिए, वहां तो निलंबन की कार्रवाई का कोई परिपत्र असरकारी नहीं रहेगा। विपक्षी नेताओं को भाजपा के सांसदों और मंत्रियों के क्षेत्रों में जाकर उन सवालों को उठाना चाहिए, जिनके जवाब संसद में दिए जाने चाहिए थे, मगर नहीं दिए गए। विपक्ष जब तक अपने अस्तित्व का अहसास जनता को नहीं कराएगा, तब तक सारे विरोध–प्रदर्शन और सवाल बेकार रहेंगे।

गाजा कब्रिस्तान बनता जा रहा है

चंद्रमोहन

7 अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों द्वारा इजराइल पर हमले के बाद दुनिया भर में इजराइल के प्रति जो हमदर्दी थी वह गाजा पर लगातार और अंधाधुंध बमबारी के बाद अब पूरी तरह से लुप्त हो गई है। इजराइल को अब एक क्रूर और असंवेदनशील बेसुध देश की तरह देखा जा रहा है जो बदले की भावना में इतना बह गया है कि हजारों बेकसूरों को मार चुका है। पूछा जा रहा है कि गाजा के कितने हजार और बच्चों का खून बहाने के बाद इजराइल की प्यास बुझेगी? हमास ने 1200 इजराइली मारे थे जबकि इजराइल हमास को तबाह करने की असफल कोशिश में 20000 फिलस्तीनियों को मार चुका है। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। 5000 तो बच्चे ही मारे जा चुके हैं। जो कई सौ मलबे में दबे हैं वह अलग हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एनटोनियो गुटरेस का कहना है कि "गाजा बच्चों का कघ्ब्रिस्तान बन चुका है"। न्यूयार्क टाइम्स में पैट्रिक किंग्सले ने लिखा है "पिछले तीन वर्षों में मैंने कघ्रीब एक दर्जन बार इस इलाकघ्े की यात्रा की है। अब इसे पहचानना ही मुश्किल है। घरों की दीवारें या छतें, या दोनों गायब हैं। बहुत से घर ताश के पतों की तरह एक–दूसरे पर गिरे हुए हैं"। क्रूरता ऐसी है कि शरणार्थियों के जबालया शरणार्थी शिविर पर बमबारी की गई जिसमें 45 लोग मारे गए। उतरी गाजा तो मटियामेट हो ही चुका है अब दक्षिण गाजा जहां शरणार्थी रह रहें हैं, पर भी बमबारी हो रही है। जिस इलाके की यह पत्रकार बात कर रहा है वहां कोई पच्चीस लाख लोग रहते थे जिन्हें बमबारी के कारण घरबार छोड़ कर भागना पड़ा था। अनुमान है कि गाजा की 80 प्रतिशत जनसंख्या बेघर हो चुकी है। इतनी बड़ी संख्या के लिए बसने की कोई जगह नहीं है और न ही वह वापिस ही आ सके क्योंकि वापिस आने के लिए कुछ बचा ही नहीं। इजराइल हमास से बदला लेना चाहता है पर बदला बेकघ्सूर फिलस्तीनियों से लिया जा रहा है। पिछले 75 वर्षों में इजराइल ने अपने सैनिक बल और पश्चिम के देशों, विशेष तौर पर अमेरिका, के समर्थन से फिलिस्तीन को दुनिया के सबसे बड़े ओपन– एयर जेल में परिवर्तित कर दिया था जहां बाहर से राहत सामग्री भी इजरायल की अनुमति के बिना प्रवेश नहीं कर सकती थी। 25 लाख लोग घनी आबादी वाली तंग बस्तियों में रहते हैं जहां इजराइल की खुघ्फिया एजेंसियां उन के दैनिक जीवन पर सख्त नजर रखती हैं। जहां पहले रोजाना राहत सामग्री से भरे 500 ट्रक प्रवेश करते थे वहां अब एक दर्जन को मुश्किल से अन्दर आने की इजाजत है। कई लोग तो शिकायत कर रहे हैं कि इजराइल गाजा के लोगों को भूखा मारना चाहता है, जिसका प्रतिवाद इजराइल कर रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि वह तब तक लड़ते जाएंगे जब तक हमास तबाह नहीं हो जाता। पर अगर वह हमास को तबाह नहीं कर सके तो क्या इसी तरह बेकसूर फिलिस्तीनियों पर बम और मिसाइल बरसाते रहेंगे? यहूदियों ने अपने इतिहास में यूरोप में बहुत अत्याचार सहा है। हैरानी है कि वैसा ही अत्याचार वह फिलस्तीनियों के साथ कर रहे हैं। शिकार अब अत्यंत क्रूर शिकारी बन गया है। इस प्रकार की सरकारी हिंसा तो किसी नस्ली सफाई से कम नहीं। यूनिसेफ ने गाजा की स्थिति को 'मानवीय त्रासदी' कहा है और यह भी कहा है कि गाजा के बच्चों के पास पीने के लिए मुश्किल से पानी की एक बूंद है। वहां अस्पताल काम नहीं कर रहे। अधिकतर तो वैसे ही बमबारी से ध्वस्त हैं। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने बताया है कि वहां भुखमरी की हालत है। चारों तरफ गंदगी फैली हुई जिस कारण डाक्टर चेतावनी दे रहे हैं कि जितने बच्चे बमबारी से मारे गए उससे कहीं अधिक बीमारी से मर सकते हैं। इस अंधी क्रूरता पर दुनिया भर में विरोध हो रहा है। फ्रांस, जर्मनी और इंग्लैंड जो अब तक इजराइल का समर्थन करते रहे हैं ने पहली बार संयुक्त राष्ट्र में युद्ध विराम के प्रस्ताव को समर्थन दिया है। अमेरिका ने प्रस्ताव को वीटो किया है जबकि भारत समेत 153 देशों ने इसे समर्थन दिया है। हाल ही में अमेरिका ने इजराइल से कहा है कि वह चाहता है कि वह हमास पर युद्ध की रफ्तार कम करें पर जब इजराइल ने ऐसा नहीं किया तो बाइडेन ने पहली बार इजराइल की सख्त आलोचना करते हुए कहा कि वह देश "अंधाधुंध बमबारी" के कारण अंतर्राष्ट्रीय समर्थन खोने की स्थिति में है। पर इसके बावजूद बाइडेन लगातार इजराइल को बम और मिसाइल सप्लाई करते जा रहे हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पहली बार युद्ध विराम के पक्ष में वोट डाला है। भारत अभी तक इस मुद्दे पर वोट करने से बचता रहा है। हम 'मानवीय सहायता' या 'युद्ध की तीव्रता कम करने' की वकालत करते रहे हैं। भारत और दूसरे देश जो पहले तटस्थ थे या इजराइल का पक्ष ले रहे थे के द्वारा अब युद्ध विराम के पक्ष में वोट डालना बताता है कि इजराइल किस तरह अलग– थलग पड़ रहा है। भारत का इजराइल के साथ पुराना रिश्ता है और उस देश और वहां के लोगों के प्रति यहां बहुत सद्भावना रही है। अरब देशों ने पाकिस्तान के साथ हमारे युद्धों के दौरान उस देश का पक्ष लिया था और 1962 के चीन के साथ युद्ध में तटस्थ रहे थे। इसका यहां असर हुआ था जबकि इजराइल इन युद्धों में सैनिक सामान से हमारी सहायता करता रहा है। भारत में क्योंकि यहूदियों से गलत व्यवहार नहीं किया जाता, जैसा यूरोप के कुछ देशों में अभी भी हो रहा है, इसलिए उस देश का हमारे साथ लगाव रहा है। कारगिल के युद्ध के समय इजराइल ने हमें वह सैनिक सामान दिया जिसकी हमें बहुत जरूरत थी। एक रिपोर्ट के अनुसार इजराइल की सेना ने अपने इमरजैंसी स्टाक में से निकाल कर भारत को सप्लाई भेजी थी। प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने इजराइल के साथ कूटनीतिक सम्बंध कायम किए थे जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत घनिष्ठ बना दिए हैं। वह पहले प्रध ाानमंत्री हैं जिन्होंने इजराइल की यात्रा की है। हमारे उस देश के साथ अब गहरे सामरिक और आर्थिक सम्बंध है जिस कारण भारत इसकी मनमानी के प्रति आंखें मूंदता रहा है। जब हमास का हमला हुआ तो प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल के साथ एकता दिखाने में एक मिनट नहीं गंवाया। पर अब हालात बदल गए हैं। हमारी बढ़ती ताकघ्त के कारण अरब और खाड़ी के देशों ने पाकिस्तान के प्रति झुकाव छोड़ दिया है और साऊदी अरब, यूएई, कतर, ईरान जैसे देशों के साथ हमारे गहरे सामरिक, सुरक्षा और व्यापारिक सम्बंध बने हैं। भारत की ऊर्जा की जरूरत का 50 प्रतिशत इन देशों से पूरा होता है। 90 लाख भारतीय इन देशों में रहते हैं जो 50 अरब डॉलर वार्षिक स्वदेश भेजते हैं। इन देशों के साथ सम्बंध बेहतर करने में प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत मेहनत की है। हमास के हमले और उसके बाद इजराइल की जबरदस्त प्रतिक्रिया ने भारत सरकार के लिए जटिल कूटनीतिक चुनौती खड़ी कर दी थी। गाजा की तबाही के बाद लोक राय बदल रही है। एक तरफ बुरे समय में काम आने वाला इजराइल है तो दूसरी तरफ सारे अरब देश जो गाजा के लोगों पर अत्याचार से क्रोधित हैं। गाजा में युद्ध विराम का पक्ष लेकर भारत ने रिश्तों में कुछ संतुलन कघ्यम करने का प्रयास किया है। यह मानवीय दृष्टिकोण से भी सही है। लेकिन अगर यह युद्ध लम्बा चलता गया तो हमारे लिए भी कूटनीतिक चुनौती बढ़ती जाएगी क्योंकि हम बीच के रास्ते पर चलना चाहेंगे। लेकिन असली चुनौती तो इजराइल के लिए है क्योंकि इतनी तबाही करने के बावजूद न वह हमास को ही खघ्त्म कर सके हैं और न ही अपने अपहृत लोगों को ही निकाल सके हैं। उल्टा वह अंतर्राष्ट्रीय खलनायक बनते जा रहे हैं जिसकी अलग कघ्मित चुकानी पड़ सकती है। फिलस्तीनियों को भी बड़ी कघ्मित चुकानी पड़ेगी पर इजराइल खुद चौन से नहीं बैठ सकेगा। यह भी मालूम नहीं कि युद्ध का अंत क्या है? गाजा का पुनर्निर्माण कौन करेगा? जो परिवार तबाह हो चुकें हैं उनका क्या होगा? गाजा की सारी व्यवस्था तबाह हो चुकी है, प्रशासन कौन चलाएगा? इजराइल जोर–शोर से बमबारी कर रहा है पर वह इस युद्ध का विजेता नहीं होगा। उनका अत्याचार नए आतंकवादियों की पीढ़ी पैदा करेगा जो वर्तमान हमास की तरह उन्हें परेशान करती रहेगी। नए शहीद पैदा होंगे, नए आतंकवादी पैदा होंगे। अरब देशों में भी हमास और हिजबुल्ला जैसे और संगठन खड़े हो सकते हैं। इस समय फिलस्तीनी पिट रहे हैं। तबाह हो रहें हैं। पर समय के साथ वह सम्भलेंगे और हैरानी नहीं होगी कि युवा पीढ़ी जो अपना सब कुछ खो बैठी है, बदला लेने की भावना से प्रेरित होगी। हिंसा और जवाबी हिंसा का ऐसा चक्र शुरू हो सकता है जिससे कोई भी चौन से न रहे, न इजराइली न फिलिस्तीनी। समस्या का हल जियो और जीने दो के सिद्धांत में है। मानवीय दृष्टिकोण चाहिए। इजराइल भी रहे, फिलिस्तीन भी रहे। पर इजराइल के शासकों ने न पहले इसे दिल से माना, न अब ही मानने को तैयार लगते हैं। फिलिस्तीन के कवि मोसाब अबू तोहा ने एक मार्मिक कविता में लिखा है, "मेरी चार साल की बेटी याफा, अपनी गुलाबी ड्रेस में बम का विस्फोट सुनती है, वह लम्बा सांस लेती है और अपनी ड्रेस की झालर से अपना मुंह ढक लेती है, उसका साढ़े पांच वर्ष का भाई यजान अपना कम्बल उठाता है, वह अपना कम्बल अपनी छोटी बहन पर डाल देता है, तुम अब छिप सकती हो, वह उसे भरोसा देता है"। पर वहां कोई छिप नहीं सकता, न अस्पताल में न स्कूल में और न ही भाई के कम्बल में। खूनी बदले ने उस अभागे देश को कघ्ब्रिस्तान में बदल दिया है।

संसद की सुरक्षा में सेंधमारी के चुनावी प्रभाव से बचा नहीं जा सकता

कल्याणी शंकर

2023 का भारतीय संसद भवन की सुरक्षा का उल्लंघन पूर्व में 2001 के आतंकवादी हमले के बाद शुरू किये गये पहले से ही कठोर सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। आगंतुकों की गहन जांच के लिए यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है। संसद सदस्यों को पास की अनुशंसा करते समय सतर्क रहना चाहिए और उन्हें अपने कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। घुसपैठियों को भाजपा के मैसूरु सांसद की सिफारिश पर पास मिले थे। सरकार ने गहन जांच के आदेश देकर त्वरित प्रतिक्रिया दी। घटना में शामिल सभी छह व्यक्तियों को पकड़ लिया गया है और उन पर कड़े कानूनों के तहत आरोप लगाये गये हैं।संसद में हालिया सुरक्षा उल्लंघन के गंभीर राजनीतिक, चुनावी, विधायी और सुरक्षा निहितार्थ हैं। 146 सांसदों के अभूतपूर्व निलंबन ने अब विपक्षी इंडिया गठबंधन को एकजुट कर दिया है। लोकसभा में दो घुसपैठियों को आगंतुक गैलरी से कूदते और लोकसभा के अंदर धुएं के डिब्बे खोलते हुए देखा गया। यह एक रहस्य है कि संसद की सुरक्षा करने वाली पांच स्तरीय सुरक्षा के बावजूद वे सदन में कैसे घुस गये। दुर्भाग्य से, अतीत में विभिन्न देशों की संसदों पर हमले हुए हैं। इनमें 1981 का स्पेनिश तख्तापलट का प्रयास, 2017 का यूके संसद पर आतंकवादी हमला, 1987 का श्रीलंकाई संसद ग्रेनेड हमला, 2021 का यूएस कैपिटोल हमला और अक्टूबर 2023 का तुर्की सरकार भवन पर हमला शामिल है। प्रत्येक मामले में, तुरंत उचित सुधारात्मक उपाय किये गये। भारतीय संसद पर हुए इस हमले के मामले में, घटना के तुरंत बाद, सुरक्षा और कड़ी कर दी गयी और संसद भवन की किलेबंदी कर दी गयी। यहां तक कि उल्लंघन की उच्च–स्तरीय जांच के आदेश भी दिये गये। उच्च स्तरीय जांच रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद और भी कदम उठाये जाने की उम्मीद है। 2023 का भारतीय संसद भवन की सुरक्षा का उल्लंघन पूर्व में 2001 के आतंकवादी हमले के बाद शुरू किये गये पहले से ही कठोर सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। आगंतुकों की गहन जांच के लिए यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है। संसद सदस्यों को पास की अनुशंसा करते समय सतर्क रहना चाहिए और उन्हें अपने कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। घुसपैठियों को भाजपा के मैसूरु सांसद की सिफारिश पर पास मिले थे।

सरकार ने गहन जांच के आदेश देकर त्वरित प्रतिक्रिया दी। घटना में शामिल सभी छह व्यक्तियों को पकड़ लिया गया है और उन पर कड़े कानूनों के तहत आरोप लगाये गये हैं।

चौंकाने वाले सुरक्षा उल्लंघन के बाद, विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह से एक बयान की मांग की, जिसे उन्होंने देने से इनकार कर दिया। इससे अराजकता और टकराव पैदा हुआ जिसे टाला जा सकता था अगर शाह ने संक्षिप्त बयान दिया होता। विपक्ष ने हंगामा किया जिसके कारण 146 अनियंत्रित सदस्यों को निलंबित कर दिया गया, मुख्य रूप से इंडिया गठबंधन से। नियमों के मुताबिक दो कारणों से सदस्यों को सदन से निलंबित किया जा सकता है। पहला तब होता है जब कोई सदस्य अध्यक्ष के अधिकार का अनादर करता है। दूसरा तब होता है जब कोई सदस्य जानबूझकर और लगातार सदन की कार्यवाही में बाधा डालता है। इस उदाहरण में, निलंबित सदस्य राज्यसभा के अध्यक्ष और सभापति के अधिकार के खिलाफ गये।

संसद का अपमान करने, राज्यसभा सभापति की नकल करने और सभापति की अवज्ञा करने के आरोप में कुल 146 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। राज्यसभा सभापति और लोकसभा अध्यक्ष ने इस तरह के अनियंत्रित व्यवहार को अस्वीकार्य बताते हुए यह निर्णय लिया। 2024 के लोकसभा चुनावों को देखते हुए, ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भी पक्ष का ध्यान सदन चलाने पर नहीं है। अगले महीने होने वाले बजट सत्र में भी टकराव हो सकता है, लेकिन फिर भी लेखा बजट पर मतदान पारित किया जाना चाहिए।

चौंकाने वाले संसद उल्लंघन का चुनावी असर होगा क्योंकि विपक्षी दल मोदी सरकार के कथित अधि ानायकवाद के विरोध में एक साथ आये हैं। वे इस मुद्दे को सड़कों पर ले गये हैं और इसे एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बना दिया है। विपक्ष सरकार से पूछ रहा है कि जब वह संसद जैसी हाई–प्रोफाइल संपत्ति की रक्षा करने में विफल रही तो वह नागरिकों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित कर सकती है। बेशक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक मजबूत नेता की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना 2024 के चुनावों के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए, पहले कदम के रूप में, विपक्ष ने विपक्षी वोटों को विभाजित होने से बचाने के लिए लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ एक संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला किया है।

जहां तक कानून का सवाल है, आपराधिक कानून संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित किये गये, जबकि निलंबित सदस्यों ने बाहर विरोध प्रदर्शन किया। अतीत में भी, कई कानून मिनटों में पारित कर दिये गये थे। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना ने एक बार इस बात पर निराशा व्यक्त की थी कि संसद सदस्यों ने पारित किये गये विध ेयकों पर पूरी तरह से बहस और चर्चा नहीं की। संसद सदस्यों के पाँच प्राथमिक कार्य हैं – कानून बनाना, बजट की समीक्षा करना, सरकारी गतिविधियों की देखरेख करना, लोगों का प्रतिनिधित्व करना और सरकार को जवाबदेह बनाना।

असरकारी होंगी न्याय यात्रा और नागपुर रैली

स्थापना के 138 वर्ष पूरे करने के अवसर पर कांग्रेस द्वारा गुरुवार को नागपुर में आयोजित होने जा रही रैली और मणिपुर से 14 जनवरी, 2024 को प्रारम्भ हो रही राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा पार्टी को तो मजबूती प्रदान करेगी ही, देश के लोकतंत्र को भी अपने पांवों पर फिर से खड़ा करेगी। कांग्रेस आज एक विशाल सभा करने जा रही है, तो राहुल की 30 मार्च को मुंबई में पूरी होने वाली दूसरी यात्रा उनकी सितम्बर, 2022 से प्रारम्भ (जो 30 जनवरी को जम्मू–कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में समाप्त हुई थी) हुई श्भारत जोड़ो यात्राश का सीक्वल कही जा सकती है। दोनों का आयोजन ऐसे वक्त पर हो रहा है जब देश में लोकसभा चुनावों की पदचाप सुनाई देने लगे हैं। दो कार्यकाल पूरा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार केन्द्रीय सत्ता पर काबिज होने की जुगत में है, तो वहीं कांग्रेस अपने दम और अन्य 27 दलों के सहयोग से उसे रोकने का संकल्प किये बैठी है। इस लिहाज से ये दोनों आयोजन कांग्रेस के लिये बहुत महत्वपूर्ण तो हैं ही, उसकी मजबूती इंडिया गठबन्धन को भी ताकत प्रदान करेगी जो उसके नेतृत्व में ही बना है। सभी विपक्षी पार्टियां उसकी ओर आशा भरी निगाहों से देख रही हैं। कांग्रेस की छतरी तले ये दल कुछ ऐसा ही भरोसा करके आये हैं। अगर कांग्रेस शक्तिहीन होती है तो उसका संयुक्त प्रतिपक्ष का नेतृत्व करने का नैतिक बल जाता रहेगा। इसलिये उसे जहां एक ओर खुद को मजबूत करना होगा वहीं लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ सभी को साथ लेकर संगठित तौर पर उतरना होगा। कांग्रेस अपने अस्तित्व को बचाये रखने का लक्ष्य भी इन दो आयोजनों से साध रही है। पहले बात

करें नागपुर की रैली की। इसी शहर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय है जिसकी विचारधारा का विरोध कांग्रेस प्रारम्भ से ही करती आई है। यहां रैली का आयोजन करना एक तरह से संघ को चुनौती देना तो है ही, यहीं दीक्षाभूमि भी है जहां 14 अक्टूबर, 1956 को बाबासाहेब अंबेडकर ने 5 लाख लोगों के साथ बौद्ध धर्म का अंगीकार किया था। अंबेडकर संविध ाान के निर्माता भी हैं। कांग्रेस की इस दौर की सबसे बड़ी लड़ाई संविधान को भाजपा द्वारा क्षत–विक्षत होने से बचाने की भी है। इस तरह से देखें तो नागपुर में रैली करने का प्रतीकात्मक महत्व तो है ही, यह रैली उसकी विचारधारा के पुनर्घोष करने जैसा है। अगर यहां उसकी रैली सफल होती है तो उसके बारे में यह विश्वास कायम रहेगा कि वह भाजपा को टक्कर देने का हौसला और शक्ति रखती है। जहां तक राहुल की यात्रा–2 का सवाल है, तो उसकी महत्ता कई मायनों में है। उनकी पहली यात्रा का मकसद जहां नफरत के बाजार में मोहब्बत की दूकान खोलना था, वहीं प्रस्तावित यात्रा के तीन उद्देश्य हैं। बुध ावार की सुबह कांग्रेस के प्रचार प्रभारी जयराम रमेश ने पत्रकारों को बतलाया कि इसे इसलिये न्याय यात्रा का नाम दिया गया है क्योंकि इसके माध्यम से लोगों के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक न्याय की बात उठाई जायेगी। कुछ फासला पैदल चलते हुए और कुछ वाहनों के जरिये तय किया जायेगा। 14 राज्यों से होती हुई लगभग 6200 किलोमीटर की यह यात्रा तकरीबन 359 लोकसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। यात्रा मतदाताओं से संवाद भी साधेगी। इसका असर लोगों पर पड़ना लाजिमी है। ऐसा विश्वास इसलिये व्यक्त किया जा सकता है क्योंकि पहली यात्रा के दौरान उसे लोगों ने स्वतरूस्फूर्त प्रतिसाद दिया था और लाखों लोग राहुल के साथ चले थे। कांग्रेस को भी भरोसा है कि इस बार भी पहले जैसा मंजर देखने को मिल सकता है। भाजपा की रीति–नीति के कारण जिस प्रकार से आमजनों के साथ यह सरकार आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक स्तरों पर अन्याय कर रही है, उसके चलते कांग्रेस द्वारा इसे न्याय यात्रा का नाम देना उपयुक्त ही प्रतीत होता है। देश में बढ़ती आर्थिक विषमता, महंगाई, बेरोजगारी, जनकल्याण पर घटता खर्च लोगों के साथ हो रहे अन्याय को इंगित करता है। आज अमीरों व सरकार समर्थकों के लिये अलग व्यवस्था है तो समाज में फैलती गैर बराबरी के चलते कमजोर, वंचित, शोषित, अल्पसंख्यकों आदि तबकों को न्याय से दूर कर दिया गया है। ऐसे ही, पिछले दिनों संसद में जो कुछ घटा है, वह बतलाता है कि सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को यह सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करती। देश की जो सबसे बड़ी पंचायत है, उसने थोक के भाव में सांसदों को निलम्बित होते देखा है, जो देश के संसदीय इतिहास में कभी भी नहीं हुआ था। सच तो यह है कि देश में दो समाज बना दिये गये हैं– एक कानून को अपनी जूती की नोक के नीचे रखता है, तो दूसरा वह वर्ग है जिसे न्याय की पहुंच से दूर कर दिया गया है। यह यात्रा एक नागरिक के तौर पर भारतीयों को न्याय हासिल कराने का अभियान कही जा सकती है। पहली यात्रा को गैर राजनैतिक कहा गया था, परन्तु यह दूसरी यात्रा अपने सियासी उद्देश्यों को दरकिनार करती हुई आगे नहीं बढ़ेगी। लोकसभा चुनाव–2024 उसकी आंखों के सामने है और पहली यात्रा में प्राप्त हुई अनेक उपलब्धियों को बरकरार रखने के लिये उसे दूसरी यात्रा को भी सफल बनाना होगा। दोनों यात्राओं के बीच चाहे साल भर का अंतराल आ गया हो परन्तु दोनों परस्पर पूरक हैं।

गुरु गोविंद सिंह जी के परिवार की शहादत को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति एवं निफा (नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट) के तत्वाधान में श्री गुरु गोविंद सिंह जी के पूरे परिवार की शहादत को श्रद्धांजलि देते हुए 29 दिसंबर को जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ।शिविर का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी सांइ सिलम तेजा ने फीता काटकर किया मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि कर्नल आर एस मोनी और सीएमएस के के राय ने गुरु गोविंद सिंह जी के परिवार की तस्वीर पर पुष्पमाला चढ़ाया और दीप जलाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को पुष्प गुच्छ एवं मोमेंटो देकर संस्था प्रमुख डॉक्टर अंजू सिंह के द्वारा सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य को बताते हुए। उन्होंने कहा की गुरु गोविंद सिंह जी के चारों पुत्र ने यहां तक की माताजी ने भी धर्म और देश की रक्षा के लिए हंसते–हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी यह इतिहास हमारे युवाओं तक पहुंचाना होगा ताकि वह अपने बलिदानियों की गौरव गाथा के बारे में जान सके

कर्नल आर एस मोनी ने कहा कि भारतवर्ष युवाओं का देश है यहां सिर्फ रक्तदान के प्रति उनमें जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है अगर 4 साल में भी एक युवा एक बार रक्तदान करता है तो हमारे यहां रक्त की आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाएगी युवाओं से निवेदन है कि वह आगे बढ़कर रक्तदान करें और दूसरे को भी प्रेरित करें

मुख्य अतिथि सांइ सिलम तेजा ने अपने संबोधन में रक्तदान महादान के बारे में बताते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की आज समाज में ज्यादा से ज्यादा लोगों और संस्थाओं के माध्यम से रक्तदान करने की आवश्यकता है जिससे रक्त कोष हमेशा भरे रहे जिससे रक्त ना मिलने की वजह से किसी की मृत्यु ना हो

कार्यक्रम को सीएमएस डॉक्टर के के राय, डॉक्टर केके पांडे एवं डॉक्टर सायन दास आदि ने भी संबोधित किया।

डॉक्टर दास ने रक्तदान के प्रति लोगों को जागरुक करते हुए उसके फायदे को बताया उन्होंने कहा की एक स्वस्थ आदमी अपने जीवन काल में 188 बार और एक स्वस्थ महिला 160 बार रक्तदान कर सकती है हर 3 महीने पर साल में चार बार रक्तदान किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया

शिविर में करीब 50 लोगों ने पंजीकरण कराया जिसमें दो दर्जन से अधिक लोगों ने रक्तदान किया इस अवसर पर मुख्य रूप से कर्नल आर एस मोनी, समाजसेवी संजय सेठ जी, नीरज शाह, अमित सिंह, अरविंद कुमार, सौरभ सिंह, नितिन गौतम, अमित शर्मा, कुषुम सिंह, चंदन तिवारी, आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन रंजना उपाध्याय जी ने किया। स्वागत और देशभक्ति गीत खुशी मिश्रा सूची मिश्रा प्रस्तुत किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जन चौपाल आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में विकास खण्ड सिरकोनी की ग्राम पंचायत नेवादा में जन चौपाल का आयोजन किया गया। जन चौपाल में जिलाधिकारी के द्वारा राजकीय आजीविका संवर्धन केंद्र एवं पंचायत भवन का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। जन चौपाल में आयुष्मान कार्ड सहित कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग, पशुपालन विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी के द्वारा बारी–बारी से शासन के द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा गर्भवती हिमांशी एवं कोमल की गोद भराई की गयी और रौनक, पीहू को अन्नप्राशन कराया गया। उन्होंने सृष्टि को पोषण किट प्रदान किया। सृष्टि पहले कुपोषित बच्ची थी जिसे 15 दिन एनआरसी में भर्ती कराया गया था। ग्राम पंचायत नेवादा में कल 12 ट्रांसफार्मर संचालित है विद्युत आपूर्ति में कोई समस्या नहीं हो रही है। 01 सामुदायिक शौचालय संचालित है। गांव में 14 हैंडपंपों में एक हैंडपंप खराब है, जिसे ठीक करने के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए। गांव में 86 को वृद्धा पेंशन, 62 को विधवा पेशन, 18 को दिव्यांग पेंशन दी जा रही है। कुल 945 पशुओं का टीकाकरण हुआ है। खाद्यान्न का वितरण शासन की गाइडलाइन के अनुसार किया जा रहा है, जिसके संबंध में ग्रामीणों के द्वारा कोई शिकायत नहीं की गई। 466 किसानों को किसान सम्मान निधि नियमित रूप से प्राप्त हो रही है, पांच का ई–केवाईसी होना अवशेष है जिसे जल्द से जल्द करने के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए। गांव में पुराना विद्यालय है जो जर्जर है जिसे एबीएसए को नियमानुसार निस्प्रयोज्य घोषित करते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। गांव में 72 परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया है 08 परिवार अभी अवशेष है जिन परिवारों को भी शीघ्र संतृप्त करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सुपरवाइजर एव बीएलओ से गांव में मृतक वोटरों की संख्या की जानकारी ली और निर्देश दिया कि मृतक वोटरों का नाम हटाया जाए। इस दौरान अधिकारियों के द्वारा कम्बल वितरण भी किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी वी.के. यादव, परियोजना निदेशक जयकेश त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी अस्मिता सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अयोध्या धाम पहुंची वंदे भारत एक्सप्रेस, रेलवे स्टेशन का नया भवन हुआ सील

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से 24 घंटे पहले ही अयोध्या सुरक्षा के चक्र में जकड़ गई। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर एसपीजी व सुरक्षा कर्मियों ने डेरा जमा लिया है।दोनों ही जगहों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम है।अयोध्या धाम से जिन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई जानी है।वह भी रेलवे स्टेशन पर पहुंच चुकी हैं।वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेन को प्लेटफार्म एक के अगल–बगल पटरियों पर खड़ा कराया गया है।

बताते चलें कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने से पहले अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन को फूलों से सजाया गया है। नए भवन में फसाड का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। रेलवे स्टेशन के बाहर एक मंच भी बनाया गया है, जिस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। बताया जा रहा है कि वंदे भारत के लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री मोदी कुछ बच्चों से संवाद भी करेंगे, जिसका शुक्रवार को रिहर्सल भी किया गया।पूरे कार्यक्रम को देखते हुए एक दिन पहले ही रेलवे स्टेशन के नए भवन को सील कर दिया गया। सुरक्षा के लिए एसपीजी ने मोर्चा संभाल लिया है। प्लेटफार्म एक के निकट भवन के किनारे भी आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया। स्टेशन के पुराने भवन के पास भी बैरिकेडिंग की गई है।

प्राण प्रतिष्ठा पर रामलला के स्वागत में सड़कों को रोशन करेंगे चालीस सूर्य स्तंभ

प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों को लेकर उत्साहित हैं अयोध्या वासी

प्रस्तुति – राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या

अयोध्या।रामनगरी इन दिनों राम मय हो चुकी है।रामनगरी के कोने–कोने में उल्लास छलक रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है, लेकिन उससे पहले ही रामलला के दर्शन को देश–विदेश के श्रद्धालु उमड़ पड़े हैं। हर मन में सिर्फ रामलला के दर्शन की लालसा दिख रही है।अनुमान है कि अयोध्या में रोजाना 50 हजार श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।राममंदिर निर्माण का साक्षी बनने के लिए पूरा भारत तो उमड़ ही पड़ा है, विश्व के कोने–कोने से भी भक्त पहुंच रहे हैं। बुधवार सुबह 10रू30 बजे राम जन्मभूमि पथ पर भक्तों का रेला लगा था। इस रेले में देश–विदेश के श्रद्धालु नजर आ रहे थे। कोई गुजरात से था, तो कोई मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार तो कोई उत्तर प्रदेश से था। कई श्रद्धालु विदेश से आए हुए थे। हर मन में सिर्फ रामलला के दर्शन की उत्कंठा दिख रही थी। जो दर्शन को जा रहे थे उनके चेहरे पर बेसब्री का भाव था, जो लौट रहे थे वे निहाल नजर आ रहे थे। सभी उत्साहित थे, जय श्रीराम का उद्घोष कर रहे थे।पंजाब से आए सतनाम सिंह बोले अयोध्या बहुत चंगी लग रही है। भव्य मंदिर बन गया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद फिर दर्शन करने आएंगे। गुजरात के मोहन भाई ने कहा कि दो साल पहले अयोध्या आए थे। इन दो सालों में अयोध्या की सूरत ही बदल गई है। इस बदलाव की आधारशिला राममंदिर का निर्माण ही है। दिल्ली से आए शिक्षक जतिन शर्मा कैसे लग रही है अयोध्या... सवाल करते ही जय श्रीराम का उद्घोष करने लगे। बोले हमारे बाबा भी मंदिर आंदोलन में कारसेवा के दौरान अयोध्या आए थे, आज उनका सपना साकार हो रहा है।

बताते चलें कि मध्य प्रदेश से महिलाओं का जत्था दर्शन को जा रहा था। सिंगला देवी ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के समय अयोध्या में बहुत भीड़ हो जाएगी इससे पहले ही रामजी का दर्शन करने चले आए हैं। रामभक्तों का जयघोष केवल राम जन्मभूमिपथ पर ही नहीं, बल्कि हनुमानगढ़ी, कनक भवन, सरयू तट व रामघाट स्थित कार्यशाला में भी गूंज रहा था। कार्यशाला में तराशे गए पत्थरों पर श्रद्धालु माथा टेक रहे थे तो कोई इनके साथ सेल्फी ले रहा था।

देखा जाए तो विदेशी भक्तों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। पत्नी रोजीना के साथ रामलला का दर्शन कर लौट रहे अमेरिका के क्रिस लान बोले कि अयोध्या लुक्स लाइक ए डिवाइन प्लेस...। उनका कहना था कि वे रामलला का दर्शन कर सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आरपी यादव ने बताया कि विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने कहा कि रामलला के दरबार में 10 से 15 हजार की भीड़ होती थी लेकिन इस समय 25 से 30 हजार श्रद्धालु रोजाना दर्शन को पहुंच रहे हैं।राममंदिर स्थापत्य कला का भी बेजोड़ नमूना होगा। राममंदिर की दीवारों पर सनातन संस्कृति के दर्शन होंगे। मंदिर के सभी स्तंभों व परकोटे में देवी–देवताओं व रामकथा के प्रसंगों की सात हजार मूर्तियां उकेरने का काम तेजी से चल रहा है। 50 से अधिक मूर्तिकार स्तंभों पर मूर्तियां उकेरने में जुटे हैं। स्तंभों पर भगवान श्रीकृष्ण, शंकर, गणेश, माता लक्ष्मी आदि देवी–देवताओं की मूर्तियां उकेरी जा रही हैं।भूतल के स्तंभों में मूर्तियां उकेरने का 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इसको लेकर थीम भी तय की गई है। भगवान राम के पैदा होने से लेकर उनके वनवास तक के जीवन को मंदिर में दर्शाया जा रहा है। इसके साथ ही रावण से युद्ध और लंका दहन से लेकर घर वापसी तक की कहानी को चित्रों के माध्यम से दीवारों पर उकेरा जा रहा है।

जौनपुर के लाल पद्मश्री प्रो अभिराज आर0पी0 मिश्र भी बनेंगे भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तेजी बाजार थाना क्षेत्र के द्रोणीपुर गाँव निवासी दुर्गा प्रसाद मिश्र के सन्तान के रूप में जन्मे, इंडोनेशिया की रामायण ककविन का हिंदी रूपांतर करने वाले, पद्मश्री प्रोफेसर अभिराज राजेंद्र प्रसाद मिश्र अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनेंगे। प्रोफेसर मिश्र ने संस्कृत भाषा की सेवा करते हुए ढाई सौ से अधिक मौलिक पुस्तकों की सर्जना की है। आपने जानकीजीवनम् और वामनावतरणम् नाम का महाकाव्य लिखा है। अभिराज राजेन्द्र प्रसाद मिश्र (1943) रू अपने उच्चस्तरीय, मौलिक एवं गहनचिन्तनात्मक लेखन के लिए समूचे राष्ट्र में जाने–पहचाने जाते हैं। अभिराज राजेन्द्र प्रसाद मिश्र की अब तक संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी तथा लोकभाषा में 250 से अधिक कृतियाँ प्रकाशित हैं तथा उन्हें साहित्य अकादमी (1988) वाचस्पति (1993) कल्पवल्ली (1998) महामहिम राष्ट्रपति (1999) वाल्मीकि (2009) दीनदयाल उपाध्याय हिन्दी–सम्मान (2014) तथा विश्वभारती (2015) से सम्मानित किया जा चुका है। भारत सरकार ने 2020 में उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया। श्रीमती अभिराजी देवी एवं पं0दुर्गाप्रसादमिश्र के मध्यमपुत्र के रूप में 2 जनवरी 1943 ई. को जौनपुर जनपद (उ.प्र.) के द्रोणीपुर गाँव में जन्में मिश्र जी की उच्चशिक्षा (एम.ए. संस्कृत, 1964) इलाहाबाद वि. वि. में अपने चाचा पद्मश्री प्रोफेसर आद्याप्रसाद मिश्र, पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संरक्षण में सम्पन्न हुई। 1966 से 2006 तक वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उदयन यूनिवर्सिटी बाली (इण्डोनेशिया) तथा शिमला वि. वि. में विविध पदों पर रहकर, अन्ततः सम्पूर्णानन्द सं. वि. वि. वाराणसी के कुलपति–पद से सेवानिवृत्त हुए। प्रखर चिन्तक, वक्ता, नैष्ठिक राष्ट्रभक्त प्रो. मिश्र साहित्य अकादमी नई दिल्ली की संस्कृत परामर्शदात्री समिति के संयोजक भी रहे हैं। एक सिद्ध कवि एवं वक्ता के रूप में उन्होंने नेपाल, बैंकाक, बालीद्वीप, इंग्लैण्ड, जर्मनी तथा स्पेन में भी भारतीय धर्म, संस्कृति एवं साहित्य का मान बढ़ाया है। आप जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी के दीक्षित शिष्य हैं। आप द्वारा लिखित खंडकाव्य 'मुक्तिदूत' वर्ष 1976 से हाईस्कूल के पाठ्यक्रम में निर्धारित है। आप द्वारा ही लिखित संस्कृत गीत 'वंदे सदा स्वदेशम्' वर्तमान में कक्षा 5 एवं स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम में संचालित है। आपका सद्यरू प्रकाशित 'विश्वगुरु भारत' भारत भक्तों का मार्ग प्रशस्त करने वाला महनीय ग्रंथ है, जिसकी भूमिका आदरणीय मोहन भागवत जी ने लिखी है।

आपकी प्राथमिक शिक्षा गाँव से शुरु हो कर जय हिन्द इन्टर कालेज तेजीबाजार और उच्चशिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय मे सम्पन्न हुई। आपके इस सम्मान से सम्पूर्ण प्रदेश, जनपद अपने को सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

आपके इस सम्मान से परिवार के श्री सत्यव्रत मिश्र डॉ.शिवाकांत मिश्र प्राचार्य, डॉ .शैलेन्द्र कुमार मिश्र प्राचार्य, डॉ.आलोक कुमार मिश्र प्राविधिक सहायक, डॉ.इन्दु प्रकाश मिश्र प्राचार्य, विनोद कुमार मिश्र मुख्य अभियोजन अधिकारी, पुष्कर मिश्र प्रधानाध्यापक, रमाशंकर मिश्र सेक्शन आफिसर, शीतला शंकर मिश्र प्रधानाचार्य, भोला शंकर मिश्र प्रेस डिपार्टमेंट सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी भी गौरवान्वित हो रहे है।

भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का आमंत्रण–पत्र मिलते ही पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड पड़ी।

वही क्षेत्र के पं0रामसागर मिश्र (पूर्व अध्यापक), विनोद सेठ, नगेन्द्र सिंह उर्फ नेता पूर्व प्रधान, वीरेंद्र सिंह, पूर्व प्रधान धनंजय तिवारी, अरविंद तिवारी अटरा, संदीप पत्रकार, पं.दिनेश मिश्र (आचार्य), रमाशंकर मिश्र (पूर्व (प्रधानाचार्य जय हिन्द इ0का0 तेजीबाजार) कृपाशंकर मिश्र (सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी), संजय सिंह (अध्यापक), डॉ अवधेश मिश्र, प्रसिद्ध नारायण मिश्र, सुभाष चन्द्र मिश्र (पूर्व प्रधानाचार्य जय हिन्द इ0का0 तेजीबाजार) जनार्दन मिश्र(रामायणी), अरुण कुमार मिश्र, सत्येंद्र प्रताप सिंह, श्याम नारायण सेठ, प्रमोद सिंह सहित सभी क्षेत्रीय लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाकर बधाइयां दी है।

न्यायधीश दंपति दिव्यांग बच्चे की सेवा के लिए आगे आए

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी के माध्यम से जनपद के न्यायाधीश ए. डी. जे स्पेशल जज ,पति पत्नी नेहा आनंद और आशीष वर्मा ने राजेश स्नेह ट्रस्ट आफ एजुकेशन दिव्यांग बच्चों के स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र के अलग–अलग एक–एक दिव्यांग बच्चों को अनौपचारिक रूप से गोद लिया है।

उक्त जानकारी दिव्यांग स्कूल के प्रबंधक जिले के चर्चित वरिष्ठ समाजसेवी राजेश ने दी है।

संस्था परिवार द्वारा सामूहिक रूप से स्वागत कर उन दोनों को एक एक कलम और गुलाब का पौधा उपहार स्वरूप दिया गया। गृह स्वामी राजेश गुप्ता व संस्था सचिव किरन ने न्यायधीश सहित सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

उक्त कार्यक्रम में संस्था कोषाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, मनीष सिन्हा ,शरद साहू, हेमू वर्मा रौनक गुप्ता ,रिशु गुप्ता प्रवेश गुप्ता दीपक श्रीवास्तव और संदीप कुमार समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने ईवीएम और वीवीपैट वेयर हाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा द्वारा ईवीएम और वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने ईवीएम एवं वी.वी. पैट के रख–रखाव के सम्बन्ध में जानकारी ली और संबंधित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आयोग की गाइडलाइन का शत–प्रतिशत पालन किया जाए, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, प्रभारी निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्रीराम नगरी में 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र में शराब की बिक्री को पूर्ण रूप से किया जाएगा प्रतिबंधित

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) श्रीराम नगरी में 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र में शराब की बिक्री को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाएगा। सभी दुकानें हटाई जाएंगी। यह बात आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कही, नितिन अग्रवाल अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि श्रीराम मंदिर क्षेत्र को पहले से ही मदिरा मुक्त किया जा चुका है उन्होंने 84 कोस तक शराब की दुकानों को हटाने की बात कही। बोले इसके लिए निर्देश दिए जा चुके हैं। 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र को मद्य निषेध घोषित किया जा चुका है। इस क्षेत्र में आने वाली सभी दुकानें हटाई जाएंगी। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों पर चल रही है। जिसकी वजह से अयोध्या में प्रदेश के मंत्रियों के साथ ही आला अधिकारी का जमावड़ा लग रहा है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री भी आ रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा से पहले 30 दिसंबर को पीएम मोदी श्रीराम एयरपोर्ट का उद्घाटन करने अयोध्या आएंगे। प्राण प्रतिष्ठा को ऐतिहासिक बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार ने पूरी ताकत झोंक दी है। जिससे दुनिया कलयुग में भी द्वापर युग की झलक देख सके।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी बड़ी खबर, प्राण प्रतिष्ठा के समय 5 लोग गर्भगृह में मौजूद रहेंगे

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी बड़ी खबर, प्राण प्रतिष्ठा के समय 5 लोग गर्भगृह में मौजूद रहेंगे। जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ, संघ प्रमुख मोहन भागवत,राज्यपाल आनंदीबेन पटेलध्व मुख्य आचार्य मौजूद रहेंगे,। प्राण प्रतिष्ठा के समय पर्दा बंद रहेगा।मूर्ति की पट्टी हटते समय 5 लोग मौजूद रहेंगे।जिसमें सबसे पहले भगवान राम को आईना दिखाया जाएगा।सबसे पहले रामलला अपना चेहरा देखेंगे।दलपूजा के लिए आचार्यों की 3 टीमें बनाई गईं हैं।पहले दल का नेतृत्व स्वामी गोविंद देव गिरि करेंगे, दूसरे दल का नेतृत्व शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती करेंगे जो कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य हैं विजयेंद्र सरस्वती वही तीसरी टीम में काशी के 21 विद्वान रखे गए है।

मां शांति सेवा फाउंडेशन द्वारा निबंध प्रतियोगिता हुई संपन्न

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) राम की नगरी के राम कथा पार्क में अयोध्या कला संस्कृति महाकुंभ मां शांति सेवा फाउंडेशन द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता मे जिंगल बेल स्कूल की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया स्कूल में छात्र छात्राओं ने प्रतियोगिता प्रमाण पत्र पाकर हर्षोउल्लास के साथ हुए प्रफुल्लित छात्रा विंध्या अग्रवाल ने कहा शिक्षा के क्षेत्र में प्रतियोगिता को छोड़ना नहीं चाहिए।

ट्रैक्टर ट्राली पलटने से मजदूर की मौत,चालक घायल

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। जिले के रुदौली कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत उसरहा पुरवा के पास अनियंत्रित गिट्टी लदी ट्रैक्टर ट्राली पलट गई जिससे ट्रैक्टर पर सवार मजदूर की दबकर मौत हो गई,वहीं चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और घायल व्यक्ति को इलाज के लिए सीएचसी रुदौली भेजवाया।

जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह 10रू30 बजे कोतवाली क्षेत्र के उसरहा पुरवा के समीप नहर की पटरी पर ठेकेदार द्वारा मरम्मत कार्य कराया जा रहा था।उसी रास्ते पर गिट्टी लदी ट्रैक्टर ट्राली सकरा रास्ता होने से पलट गई।ट्रैक्टर पर सवार मजदूर सूरज कुमार पुत्र परशुराम निवासी ग्राम सरसंवा थाना धौरहरा जनपद लखीमपुरखीरी की दबकर दर्दनाक मौत हो गई।वंही चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।ट्रैक्टर पर सवार अन्य मजदूरों ने कूदकर अपनी जान बचाई।सूचना पर पहुँचे दरोगा जय सिंह ने ट्रैक्टर के नीचे दबे मजदूर को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला, लेकिन तबतक मजदूर सूरज की मौत हो चुकी थी।वही घायल चालक को सीएचसी रुदौली भेजा।

इस संबंध में रुदौली कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के शव को पीएम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

'किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू (भारत) के पदाधिकारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'पाली–(हरदोई)' भारतीय किसान यूनियन(भारत) के बैनर तले पदाधिकारियों व किसानों ने जय जवान जय किसान का नारा लगाते हुए विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी स्वाति शुक्ला को ज्ञापन सौंपा है। किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। भारतीय किसान यूनियन(भारत) के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है।आवारा पशुओं से फसलों के साथ–साथ किसानों को भी जान गवानी पड़ रही है। गोशालाओं में संरक्षित पशुओं को मानक के मुताबिक चारा नहीं दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे अन्नदाता आवारा पशुओं से अपनी फसलों को बचाने के लिए इस भीषण ठंडी में पूरी रात खेतों पर गुजारने को विवश है। फिर भी आवारा पशु फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। आवारा पशुओं को गोशालाओं में संरक्षित करने के साथ ही भू माफियाओं से जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की। ज्ञापन में किसानों की समस्याओं के संबंध में एसडीएम के द्वारा आश्वासन दिया गया।

हाड़ कपाऊ ठंड व कोहरे के चलते जनजीवन प्रभावित

तीस दिसंबर को इंटर तक स्कूल कालेज बंद रखने के डीएम ने दिये निर्देश

अयोध्या। गुरुवार से कोहरा व हाड़ कंपाने वाली ठंड हवाओ के चलते आम लोगों का जीवन अस्त व्यस्त दिखाई दिया। वही जो लोग बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे थे तो वे नौकरी पेशा वाले या फिर मजबूरी में किसी काम के चलते अपने अपने घरों से निकले हुए दिखाई रहे थे।गुरुवार को कोहरे का असर इतना अधिक दिखाई दे रहा था कि उस दिन मुख्यमंत्री का हेलीकाप्टर नहीं उतरने के चलते उनका कार्यक्रम उस दिन निरस्त करना पड़ा था।गुरुवार से अधिक कोहरे का असर शुक्रवार को दिखाई दे रहा था।उस दिन पूरे दिन सूर्य देवता के दर्शन नहीं हुए।ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने तीस दिसंबर को कक्षा एक से कक्षा बारह तक के जिले में संचालित सभी शिक्षण संस्थाओं को बंद करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।वही ठंड से बचने के लोग चौक, रिकाबगंज, वजीरगंज, नियांवा, हैदरगंज, पुरानी सब्जी मंडी, देवकाली बाईपास, देवकाली तिराहा सहित अन्य चौराहों पर अलाव के पास बैठे हुये दिखाई दे रहे थे।वही अधिकतर स्कूलों के बंद न होने के चलते छोटे छोटे स्कूली बच्चे इस ठंड में सुबह कांपते हुए स्कूल जाते हुए दिखाई दे रहे थे। वही नगर निगम कर्मियों की माने तो शीघ्र ही शहर में चिन्हित जगहों पर अलाव की व्यवस्था की जायेगी।

हर विधानसभा से 25 से 30 हजार लोगो को दिया जा रहा है पीएम की रैली के लिए आमंत्रण

डिप्टी सीएम और भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष ने सर्किट हाउस में की समीक्षा बैठक

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित महारैली की तैयारियों की समीक्षा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या व क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने सर्किट हाउस में किया। समीक्षा के दौरान सांसद लल्लू सिंह व महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्दर यादव, अमित सिंह चौहान, प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह, अभिषेक मिश्रा, अवधेश पाण्डेय बादल आदि की उपस्थिति रही। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि हर विधानसभा से 25 से 30 हजार लोगो को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी दी गई है। जिसमें रुदौली से विधायक रामचन्दर यादव, बीकापुर से विधायक अमित सिंह चौहान, गोसाईगंज से पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू, मिल्कीपुर से पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा को जनसम्पर्क अभियान की जिम्मेदारी दी गई है। संगठन से हर विधानसभा में दो पदाधिकारियों को भी जनसम्पर्क अभियान में लगाया गया है। इसके साथ में सभी ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, मंडल अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ता घर–घर जनसम्पर्क करके लोगो के प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए आमंत्रण दे रहे है। जिलें भर में 750 से अधिक बसों को लोगो को लाने के लिए लगाया है। इसके साथ में चार पहिया वाहन, मोटरसाईकिल से भी लोग आएगें।

मनमानी : सड़क के किनारे किसानों की भूमि में खड़े हुए लाखों रुपए की कीमत के हरे-भरे पेडो पर चला आरा

लखनऊ पलिया हाइवे पर उधरनपुर से सरदारनगर तक शीशम सागौन के मोटे पेड़ो का गोलमाल करने का बड़ा मामला

हरदोई (अंबरीश कुमार सक्सेना)। एक बड़े कारनामे में खुद रक्षक ही भक्षक बनने का मामला प्रकाश में आया है।रोड चौड़ीकरण के नाम पर किये गए कारनामे में एक बड़े गोलमाल में कई बड़े अधिकारियों की मिलीभगत होने का अनुमान लगाया जा सकता है।इस मामले में वन विभाग की भूमिका सबसे ज्यादा संदिग्ध प्रतीत होती दिख रही है।

हरदोई शाहजहांपुर हाइवे पर उधरनपुर से सिद्धार्थनगर के बीच बिना भूमि अधिग्रहण किये हुए ही किसानों की जमीन पर लगे दर्जनों शीशम और सागौन के लाखों के पेड़ों पर आरा चलवाकर जमींदोज करने की घटना उजागर हुई है।सड़क चौड़ीकरण के नाम पर सड़क के पूरब की ओर की जमीन पर किसानों के खेत मे लगे हुए हरे भरे पेड़ो का कटान करवा दिया गया और बेसहारा किसान विभाग के अधिकारियों की धमक के आगे बेबस ताकते रह गए।बिना कोई नोटिस दिए बिना सूचना दिए या किसानों को पेड़ों का मुआवजा दिए बिना ही लाखों के पेड़ों को कटवाकर किसने गोलमाल किया है।यह बताने को कोई तैयार नही है।जानकारी के अनुसार मार्ग को चौड़ा करने के मकसद से रोड के पश्चिम की ओर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया की गई।उधरनपुर से सरदार नगर तक राजस्व के नक्शे में सड़क की चौड़ाई 24 से लेकर अधिकतम 27 मीटर तक है इसका मतलब यह हुआ की सड़क के बीच से एक तरफ अधिकतम 13.5 मीटर भूमि सरकारी है।क्योंकि पूरब की तरफ कोई भी भूमि का अधिग्रहण नहीं किया गया इसलिए सड़क के पूर्व की तरफ 13.5 मीटर के बाद की जमीन किसानों की है।इसके बावजूद 13.5 मीटर से आगे बढ़कर किसानों के खेतों की मेड पर खड़े हुए पेड़ काट लिए गए जो कि किसानों के थे।कई अधिकारियों की मिलीभगत से पूरब साइड में किसानों के खेतों में लगभग 20 मीटर तक लगे हरे भरे विशालकाय पेड़ो पर आरा चलवाकर उन्हें धराशाई कर दिया गया।साफ तौर पर इस कार्य मे वन विभाग के अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध प्रतीत होती नजर आ रही है और इस बारे में वन विभाग की ओर से गोलमोल जबाव देना और अपनी जबावदेही से बचना उनको कटघरे में खड़ा कर रहा है।वही किसानों ने बताया कि उन्होंने सरकारी अफसरों द्वारा की जा रही कार्रवाई के कारण कोई विरोध नही किया जबकि हमारे खेतो में बिना अधिग्रहण के दर्जनों हरे भरे पेड़ो को निर्ममता से कटवाया गया।अब जब मामला प्रकाश में आया है तो वन विभाग के अधिकारी अपनी गेंद दूसरे के पाले में डालकर बचाब की मुद्रा में दिखाई दे रहे है।ईमानदारी का दम्भ भरने वाले वन विभाग के अधिकारियो के सामने कैसे इतनी बड़ी सँख्या में पेड़ो को कटवाया गया,यह प्रश्न उनकी कर्तव्यनिष्ठता को कटघरे में खड़ा कर रहा है और जब यह पेड़ वन विभाग के नहीं थे तो उनकी लकड़ी कहां गई किसके खाते में गई।कैसे बिना अधिग्रहण की प्रक्रिया के किसानों के खेतों में नक्शा और नियम विरुद्ध 20 मीटर के दायरे में आने वाले लाखो रुपये के पेड़ो को धराशाई करने का दूषित कार्य किया गया। इस बड़े गोलमाल को अगर लापरवाही का रूप देकर संलिप्त अधिकारी बचने का प्रयास अवश्य करेंगे लेकिन मामला उच्च अधिकारियों तक पहुँचने पर बड़ी कार्रवाही भी तय है।इस गंभीर मामले में सरकार की मंशा को दरकिनार करके एक बड़े गोलमाल के साथ पर्यावरण के साथ भी खिलबाड़ करके सरकारी व्यवस्था का भी मजाक उड़ाया गया है।अब देखना है कि इस गंभीर मामले में दोषी तन्त्र पर क्या कार्रवाही होती है।केंद्रीय हरित आयोग को भी इसकी सूचना भेजी जाएगी।उचित होगा कि वन विभाग के उच्च अधिकारी समय रहते शीघ्र ही इस घोटाले की जांच कराएं और किसानों के खेतों से काटी गई लकड़ी को वापस किया जाए।

खेलकूद से न केवल विद्यार्थियों का शारीरिक विकास होता है बल्कि इससे उनमें आत्मविश्वास और टीम भावना भी जागृत होती है : मनीष सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। एसकेडी अकादमी की गोमती नगर और राजाजीपुरम स्थित सभी शाखाओं में एनुअल स्पोर्ट्स डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को समूह के निदेशक मनीष सिंह के द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इन प्रतियोगिताओं में राजाजीपुरम और गोमती नगर ब्रांच के लगभग 2000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। राजाजीपुरम ब्रांच में बेस्ट एथलीट का अवार्ड छात्र वर्ग में सौरभ सिंह चौहान तथा छात्रा वर्ग में देवांशी गुप्ता को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर गोमती नगर शाखा में टग ऑफ वार, वालीबाल, बास्केटबाल, खो–खो, कबड्डी और शॉट पुट खेलों का आयोजन हुआ जिसमें महाराणा प्रताप हाउस को प्रथम पुरस्कार एवं सरदार पटेल हाउस को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। हंड्रेड मीटर रेस में अंशुल और सात्विका को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। छात्रों को संबोधित करते हुए समूह के निदेशक मनीष सिंह ने कहा कि खेलकूद से न केवल विद्यार्थियों का शारीरिक विकास होता है बल्कि इससे उनमें आत्मविश्वास और टीम भावना भी जागृत होती है। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य किताबी शिक्षा से ऊपर उठकर प्रतिभाओं की खोज एवं उनका संवर्धन करना है। इस अवसर पर समूह की उप–निदेशक निशा सिंह, सह–निदेशक डी के सिंह, राजाजीपुरम एवं गोमती नगर की शाखाओ की प्रधानाचार्या क्रमशः अंजू सिंह, डॉ. शैली श्रीवास्तव, सोनिया द्विवेदी और डॉ कविता श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने मनाया अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 138 वां स्थापना दिवस समारोह

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 138 वां स्थापना दिवस समारोह कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर कांग्रेस कार्यालय कमला भवन पर महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने पार्टी का झंडा फहरा या तथा वरिष्ठ कांग्रेसी द्वारिका पांडे तथा विकल जी को शॉल और माला पहनकर सम्मानित किया।कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कहा कांग्रेस पार्टी का गौरवशाली इतिहास रहा है । स्वाधीनता प्राप्त करने के पूर्व जहां कांग्रेस पार्टी ने अंग्रेजों के खिलाफ स्वाधीनता प्राप्त करने हेतु लड़ाई लड़ी ,वही आजादी के बाद संविधान निर्माण से लेकर देश के विकास हेतु प्रत्येक क्षेत्र के निर्माण के लिए कांग्रेस के नेताओं ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा देश की सत्ता इस समय ऐसी विचारधारा वाले लोगों के हाथ में है जिनका भारत की आजादी में कोई योगदान नहीं रहा। आज सत्तारूढ़ दल इस देश के संविधान को बदलने का प्रयास कर रहा है जिसका कांग्रेस पार्टी संसद से लेकर सड़क तक विरोध करेगी।जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा पार्टी का स्थापना का मुख्य उद्देश्य समाज में अंग्रेजों द्वारा फैलाई जा रही नफरत को खत्म करके आपसी सौहार्द को बढ़ाना था। कांग्रेस पार्टी को अपने गौरवशाली इतिहास पर गर्व है और हम अपने पूर्वजों द्वारा बताए गए सांप्रदायिक सद्भाव के रास्ते पर अडिग होकर चलते रहेंगे।इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूरे जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा, पूर्व जिला अध्यक्षसेवादल शीतल पाठक, कविंद्र साहनी, सुरेंद्र प्रताप सिंह सैनिक ,प्रवीण श्रीवास्तव ,उमेश उपाध्याय, चंचल सोनकर, प्रेम पांडे ,रामेंद्र त्रिपाठी, हनुमान मिश्रा, अरुण साहू ,महिला कांग्रेस की नगर अध्यक्ष सविता यादव आदि उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं की सुविधा का रखा जाय विशेष ख्याल - सीएम योगी आदित्यनाथ

माघ मेला एसएसपी डॉ मिश्र को दिये निर्देश

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या।मीडिया सेल माघ मेला प्रयागराज के मुताबिक हमेशा की तरह इस वर्ष भी प्रयागराज के संगम पर होने वाले माघ मेला को सकुशल सम्पन्न कराने में योगी सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।तीन वर्ष सकुशल माघ मेला सम्पन्न कराने वाले 34 वी वाहिनी पीएसी वाराणसी सेनानायक डॉ राजीव नारायण मिश्र को फिर एक बार फिर चौथी बार माघ मेला सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने प्रभारी एसएसपी डॉ राजीव नारायण मिश्र की पीठ थपथपाते हुए कहा कि जिस तरह से आपने कोविड महामारी के दौरान इस मेले को सकुशल सम्पन्न कराया था उसी तरह इस बार भी इस मेले को सकुशल सम्पन्न कराये। क्योंकि इस मेले में दूर दराज से करोड़ों श्रद्धालु आते हैं।इसलिए उनकी सुविधा व सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। यह बातें बुधवार को माघ मेला की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लेने सूबे के मुख्यमंत्री योगी जी प्रयागराज पहुंचकर प्रभारी एसएसपी डॉ राजीव नारायण मिश्र से कही।संगम की रेती पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले संगम नोज पर पहुंच कर मां गंगा की मंत्रोच्चार से पूजा–अर्चना कर गंगा आरती की।उसके बाद उन्होंने संगम तट पर महाकुंभ और माघ मेला की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक कर वहां पर मौजूद माघ मेला प्रभारी एसएसपी डॉ राजीव नारायण मिश्र को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।उसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फ्लोटिंग बोट रेस्तरां को हरी झंडी दिखाकर माघ मेला में तैयारी का जायजा लिया।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। हरिश्चन्द्र वंशीय समाज का हरिश्चन्द्र वंशीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं दो दिवसीय प्रदर्शनी इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में संपन्न हुआ। महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीता रस्तोगी ने बताया कि इसमें विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर देश–विदेश से आए विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। इसके साथ ही लखनऊ की भावी योजना मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल, श्रीनाथ जी का मंदिर, अन्नपूर्णा भोजनालय आदि स्थापित करने पर विमर्श किया गया।विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया।

स्वामी प्रसाद मौर्य का फूंका गया पुतला, हिंदू धर्म पर की थी अशोभनीय टिप्पणी

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) मिल्कीपुर तहसील के अधिवक्ताओं ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का पुतला फूंका एवं मुख्यमंत्री को संबोधित अपनी मांगों का ज्ञापन भी एसडीएम मिल्कीपुर को सौंपा। अधिवक्ताओं ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का पुतला फूंका वहीं समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा हिंदू धर्म को लेकर की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में मिल्कीपुर के अधिवक्ताओं का गुस्सा फूट गया है। अधिवक्ताओं ने सपा नेता के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला फूंका और मुख्यमंत्री को संबोधित अपनी मांगों का ज्ञापन भी एसडीएम मिल्कीपुर को सौंपा।बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश कांत यादव एवं पूर्व अध्यक्ष पवन कुमार शुक्ला के नेतृत्व में मिल्कीपुर के अधिवक्ताओं ने बुधवार को तहसील परिसर में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का पुतला जलाया और उनके खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके खिलाफ गंभीर आपराधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज किए जाने की भी मांग की।

भारतीय किसान यूनियन की मांग अयोध्या जिला प्रशासन व अयोध्या मंदिर -मेला प्रशासन अलग-अलग हो

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण,अन्य निर्माण एवं मेला तथा वीआईपी/वीवीआईपी के आगमन के कारण अयोध्या जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के अधिकारी पूरी तरह व्यस्त रहते है थाना समाधान दिवस, तहसील समाधान दिवस, किसान दिवस व जनता दरबार पूरी तरह फेल हो रहे हैं जनता की समस्या सुनने वाला कोई अधिकारी नहीं है इसलिए अयोध्या मंदिर एवं मेला प्रशासन व अयोध्या जिला प्रशासन अलग होना चाहिए। उक्त मांग करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेज कर और मौका मिलने पर मुलाकात करके जनपद अयोध्या की स्थिति को बताई जाएगी, घनश्याम वर्मा ने कहा कि अयोध्या की जनता दूर दराज गांवों से पैसा खर्च करके अधिकारियों से मिलने के लिए मुख्यालय पर आती है अधिकारी अयोध्या मंदिरों में व्यस्त होने के कारण जनता से मिल नहीं पाते हैं जिसके कारण जनता की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है और जनता थक हारकर मजबूर होकर वापस घर चली जाती है। अधिकारियों के न मिलने पर समस्या समाधान के लिए जनता द्वारा ऑनलाइन शिकायत की जाती है संबंधित अधिकारियों– कर्मचारियों द्वारा गलत रिपोर्ट लगाकर शिकायत का निस्तारण कर दिया जाता है जनता की समस्याओं का वास्तविक रूप से समाधान नहीं किया जाता है। इसलिए अयोध्या मंदिर एवं मेला प्रशासन का अलग से निर्माण करना चाहिए ताकि अयोध्या जिला प्रशासन के पास जनता से मिलने व कार्य करने के लिए समय रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने तीन नमूने किये संग्रहित

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'हरदोई' जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के निर्देश पर सहायक आयुक्त खाद्य ग्रेड–2 सतीश कुमार के निर्देशन में आम जनमानस को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हरदोई शहर के विभिन्न स्थानों पर छापा मारकर तीन नमूने संग्रहित किए गये। जिसमें मेडिकल स्टोर पिहानी रोड से प्रोटीन चॉकलेट फ्लेवर का सैंपल संग्रहित किया गया। एक नमूना मिश्रित दूध का रामकिशोर समुदा हरदोई से व डीएम चौराहा स्थित भूपेंद्र के मिल्क कलेक्शन सेंटर से एक मिश्रित दूध का नमूना संग्रहित किया गया। जिन्हें जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी। इस कार्यवाही के दौरान प्रभारी मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम किशोर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी खुशीराम, सुभाष मौर्य, अनुराधा कुशवाहा व रामकिशोर मौजूद रहे।

विलुप्त प्रजाति के गिद्ध दिखने लगे तो लोगों ने जटायु के वंशज मानकर किया

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगरी पहुंचे जटायु राज के वंशज, जिले के मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत धरौली गांव पहुंचे विलुप्त प्रजाति के गिद्ध, ग्रामीणों के कौतूहल का बना विषय वहीं अयोध्या की धरती पर मानव जीवन और प्राकृतिक के चक्र का संचालन करने के लिए पशु पक्षी और जीव जंतु की सक्रिय भागीदारी रहती है किसी भी पशु पक्षी और जीव जंतु के विलुप्त होने के कगार पर पहुंचने से प्राकृतिक संतुलन गड़बड़ा जाता है। गिद्धों की लगातार काम हो रही संख्या के चलते इन्हें लुप्त प्रजाति के पक्षियों में शामिल किया गया है। गिद्धों को प्राकृति का सफाई कर्मी कहा जाता है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।